MATTERS RAISED WITH PERMISSION

Atrocities Committed by Police in Bhagalpur, Bihar

प्रो. राम देव भंडारी (बिहार) : माननीय उपसभापति जी, मैं बडी संजीदगी के साथ पुलिस जुर्म की एक और गंभीर घटना की ओर आपका, सदन का और सरकार का ध्यान आकृष्ट करना चाहता हूं। मान्यवर, बिहार के भागलपुर में पुलिसिया जुर्म ने हैवानियत एवं दरिंदगी की सारी सीमाएं तोड़ दी हैं। उसने अंग्रेजी पुलिस को भी पीछे छोड़ दिया है।

मान्यवर, भागलपुर की पुलिस ने अल्पसंख्यक समुदाय के एक मामूली चोर सलीम इलियासी को मोटर साइकिल से बांधकर घसीटा, उससे पहले उसकी बुरी तरह पिटाई की, उसको नंगा कर दिया। उसका कुसूर क्या था? उसको कुसूर यह था कि उसने एक महिला से चेन झपटी थी, उसके बाद उस गांव के लोगों ने, आस-पास के लोगों ने उसकी पिटाई कर दी थी। जब पुलिस आई तो पुलिस ने भी उसकी पिटाई की उसने जांच पड़ताल करने का कोइ प्रयास नही किया कि यह सचमुच का चोर है या नही है और उसने उसकी पिटाई की, फिर मोटर साइकिल से बांधकर उसको घसीटा। महोदय...(**व्यवधान**)...

श्री उपसभापति : वे बोल रहे है, आपके लीडर बोल रहे है, ज़रा उन्हें सुनिए।

प्रो. राम देव भंडारी : देश के जितने भी प्रमुख टी.वी. चैनल्स हैं, जो समाचार-पत्र है... उन्होंने तस्वीर के साथ उसको प्रमुख्ता से छापा है। हम सभी ने टेलिविज़न पर भी देखा है। महोदय, ऐसा लगता है कि बिहार में अब कानून व्यवस्था का राज नही है। महोदय बिहार में पुलिसिया राज है...(**व्यवधान**)...

श्री रवि शंकर प्रसाद (बिहार) : वहां पर कार्यवाही हुई और ससपेंड हो चुके है। ...(**व्यवधान**)...

श्री उपसभापति : देखिए, there are certain norms. ...(Interruptions)... जो बोलना है ...(**व्यवधान**)... I am speaking from the Chair, ...(Interruptions)...

श्री रुद्रनारायण पाणि (उडीसा) : वहां पर कार्यवाही हो चुकी है।

श्री उपसभापति : पाणि जी, आप बैठिए। यह ठीक नही हैं, हर वक्त आप उठकर खड़े हो जाते हैं।...(**व्यवधान**)... आप बोलिए।...(**व्यवधान**)...

प्रो0 राम देव भंडारी : महोदय, यही रवि शंकर जी हैं, जब हमारी पार्टी की सरकार थी तो ये कहते थे कि बिहार में जंगल राज है। यही हैं महोदय।

श्री उपसभापति : भंडारी जी, आपका वक्त समाप्त हो गया है।...(**व्यवधान**)...

प्रो0 राम देव भंडारी : जब बिहार में हमारी सरकार थी ...(**व्यवधान**)... आज बिहार में कौन सा राज है। बिहार में * की तर्ज पर सरकार चल रही है। ...(**व्यवधान**)...

श्री उपसभापति : उनको बोलने दीजिए। ...(**व्यवधान**)... You are not the spokesman of the Government. ...(Interruptions)... Please sit down. ...(Interruptions)... Please sit down ...(Interruptions)... आप बोलिए।

प्रो0 राम देव भंडारी : बिहार में * राज है । ...(**व्यवधान**)... बिहार के मुख्य मंत्री रोज़ कहते हैं, कि कानून व्यवस्था कायम कर रहे हैं । ...(**व्यवधान**)...

श्री उपसभापति : आप बैठिए प्लीज़ । देखिए । यह ज़ीरो ऑवर है । ...(**व्यवधान**)... Please allow the Member to say whatever he wants to say, unless he speaks anything unparliamentary. *...(Interruptions)...*

प्रो0 राम देव भंडारी : मगर बिहार में कानून व्यवस्था नाम की कोई चीज़ नही है । महोदय, स्थिति यह बन गयी है कि बिहार का ...(**व्यवधान**)... बिहार के कमजोर वर्ग के लोग, ...(**व्यवधान**)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: No. You don't have the licence to do what you want *...(Interruptions)...*

प्रो0 राम देव भंडारी : बिहार के दलित, बिहार के अल्पसंख्यक वर्ग के लोग आज सुरक्षित नही हैं । ...(**व्यवधान**)...

श्री उपसभापति : आप बैठिए । ...(**व्यवधान**)... नेक्स्ट । श्री बागड़ोदिया ।

प्रो0 राम देव भंडारी : उनकी जान-माल की कोई सुरक्षा नही है । ...(**व्यवधान**)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: During Zero Hour, only three minutes are allowed. *...(Interruptions)...*

प्रो0 राम देव भंडारी : मैं आपके माध्यम से मुख्य मंत्री जी से कहना चाहता हूं कि मुख्य मंत्री जी, या तो बिहार की कानून व्यवस्था ठीक करें नही तो गद्दी छोड़ दें ।...(**व्यवधान**)...

श्री सुरेन्द्र लाठ (उडीसा) **:** वहां पर कार्यवाही हो चुकी है ।...(**व्यवधान**)...

श्री उपसभापति : अब हो गया । ...(**व्यवधान**)...

प्रो0 राम देव भंडारी : महोदय, मैं केन्द्रीय सरकार से कहना चाहता हूं कि वे बिहार पर अपनी दृष्टि रखें । ...(**व्यवधान**)...

श्री उपसभापति : देखिए, ज़ीरो ऑवर में तीन मिनट से ज्यादा नही बोलिए ।...(**व्यवधान**)...

प्रो0 राम देव भंडारी : बिहार सरकार के खिलाफ कार्यवाही करे । वहां कानून व्यवस्था का राज नही है ।

श्री उपसभापति : भंडारी जी, आप बैठिए ।...(**व्यवधान**)... श्री संतोष बागड़ोदिया ।

श्री मंगनी लाल मंडल (बिहार) **:** महोदय, हम इसका समर्थन करते है । ...(**व्यवधान**)...

श्री मोतिउर रहमान (बिहार) **:** वहां पर कोई कानून व्यवस्था नही है ।

श्री रवि शंकर प्रसाद : महोदय, यह स्टेट सबजेक्ट है । आज उन्होंने उठाया है, आगे हम लोग भी इसे उठांएगे तो यह न कहें कि यह स्टेट सबजेक्ट है । बस, इतना ही कहना चाहता हूं । ...(**व्यवधान**)...

श्री उपसभापति : भंडारी जी, देखिए, आप बैठिए । ...(**व्यवधान**)... बागड़ोदिया जी, आप बोलिए । ...(**व्यवधान**)... आप लोग बैठिए ।

---

* Expunged as ordered by the Chair.

SHRI SANTOSH BAGRODIA (Rajasthan): Mr. Deputy Chairman, while endorsing whatever Bhandariji has stated, I would like to mention that one Shanti Devi's gold chain was supposedly snatched near Manas Ramnath Temple. If it was near a temple, there must be a policeman. But what was that policeman doing? We don't know. What have they done? It was said that one Salim llyas *alias* Aurangzeb tried to snatch it. The public beat him up. After that one ASI, L. B. Singh, and a constable, Ramchandra Rai, tied him to a motorcycle and dragged him. I think, this is like the vardiwala in 1980, when they blinded, in the same area in Bhagalpur, 31 undertrials. All these things have been shown by all the news channels. What does the police say about it? This poor boy was taken first to the Budhya hospital in a tempo and from Budhya hospital he was taken to Bhagalpur Central Jail where doctors again treated him. But no ambulance was called for. He was treated like an animal, even worse than an animal. There are a number of animal rights organisations or NGOs which cry and shout if a- dog is treated like this. This was a human being. When we talk about it, I don't know why these people are shouting. *...(Interruptions)...*

MR. DEPUTY CHAIRMAN: You speak. Everything is going on record. *..(Interruptions)...*

SHRI SANTOSH BAGRODIA: This is all a joint venture. *..(Interruptions)...* I am just submitting this. What did the Zonal DIG, Girija Nandan Sharma, say? You look at the mindset of the policemen there. He said, "Can two policemen contain the fury of a large mob? One of the policemen has been suspended as he remained a mute spectator". Is that enough? He further says, "It was an attempt to discredit the police which had done a good job in rescuing the thief from the crowd". He further says, "Aurangzeb, who was fastened to the motorcycle to prevent him from escaping, fell on the bumpy road accidentally and got dragged for a little distance". This is how he is trying to explain the atrocity that the policemen had done to the poor individual. *...(Interruptions)...*

श्री रवि शंकर प्रसाद : गोहाना पर भी बोलिए । **...(व्यवधान)...**

SHRI SANTOSH BAGRODIA: Sir, the Bihar police spokesperson, Shri Anil Sinha, offered no excuses and described the incident as horrifying and shocking. He has said, "We condemn it. An inquiry has been ordered into the incident and the policeman has been suspended"*...(Interruptions)...*

SHRIMATI BRINDA KARAT (West Bengal): Sir, we all associate ourselves with it *...(Interruptions)...*

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Mr. Bagrodia, you have to strictly observe three minutes time limit.

SHRI SANTOSH BAGRODIA: Sir, the fomer DG, BSF has said, "The policeman involved should be treated like a criminal. He should be booked under provisions like Section 325 of the IPC for causing hurt."

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Shrimati Brinda *Karat...(Interruptions)...* I have called Shrimati Brinda Karat*...(Interruptions)...* Nothing will go on record except what Shrimati Brinda Karat has to say*...(Interruptions)...* वृंदा जी, आप बोलिए ।

---

* Expunged as ordered by the Chair.

SHRI DINESH TRIVEDI (West Bengal): *

Atrocities on Dalits in different parts of the country

SHRIMATI BRINDA KARAT (West Bengal): Sir, through you, I would like to draw the attention of the House to the increasing number of atrocities on dalits which are going on in different parts of India. As my friend, Raviji, has mentioned, at Guhana, one dalit boy had been killed. There is a strong sense of resentment that the police did not act in time to prevent such so-called revenge killings. सर, आज एक विशेष बात सदन में रखना चाहती हूं कि हमारे देश की जाति प्रथा की जड़े आज भी इतनी मजबूत हैं कि अच्छे कार्यक्रम को भी किस रूप में हथियार के रूप में दलितों के खिलाफ इस्तेमाल किया जा सकता है । मैं प्रधान मंत्री जी के विदर्भ प्रोग्राम के बारे में कह रही हूं कि मैं वर्धा में गई । वहां पता चला कि सालहे गांव में जहां तीन आत्म-हत्याएं हुई है और प्रधानमंत्री जी के विदर्भ पैकेज के आधार पर उस गांव के लिए दस कुएं तय किए गए । तो तीन कुएं तो उस आत्म हत्या से प्रभावित परिवार को दिए गए और बाकी सात कुएं कहां लगेंगे इस पर बहस हुई । उस गांव में कुल 30 या 32 दलित परिवार है । जब सात कुओं का फैसला हो रहा था तो दलित परिवारों ने कहा कि हम भी किसान हैं, हम छोटे किसान हैं और हमारे पास सूखे से प्रभावित 5 एकड़, किसी के पास 6 एकड़ बहुत अनइरीगेटेड जमीन है । तो हमारे लिए आप एक या दो कुओं का प्रबंध कीजिए । तब वहां जो पदाधिकारी थे, जो गैर दलित जाति के थे, उन्होंने कहा कि तुम्हारी हिम्मत कैसे हुई इस प्रकार की बात करने की और उन्होंने कहा कि तुम्हारी हिम्मत कैसे हुई इस प्रकार की बात करने की और उन्होंने उस दलित के साथ काफी गाली-गलौच किया । उसके बाद शायद उन्होंने भी जवाब दिया या नही दिया, लेकिन वह घर पहुंच गया । सर, जब हम 14 अगस्त की उस शाम को यहां देश की आजादी के 60 साल मनाने की तैयारी कर रहे थे तो वे लोग उस दलित के घर पर आए और जैसे अभी भागलपुर के बारे में बताया, ठीक उसी प्रकार उस दलित किसान के हाथ पैर को बांधकर पूरे गांव के बीच खींचा और खींचकर उसको लाठियों से मारा और बाद में जब उसकी बूढ़ी मां अपने लड़के को बचाने के लिए उसके ऊपर पड़ गई और कहा कि तुम मेरे लड़के को मार डालोगे । तो फिर उसकी बूढ़ी मां की भी पिटाई हुई क्योंकि एक आंख उसकी पहले से कमजोर थी और इस पिटाई के बाद दूसरी आंख की वजह से वह हमेशा के लिए अन्धी हो गई । सर, आप देखेंगे कि जो पुलिस ने कार्रवाई की उसमें हल्की दफा लगाई, जबकि कोई भी कॉमनसेंस कहता है कि इसमें दफा-307 का मुकदमा तो लगना ही चाहिए और ग्रीवयस इंज्युअरी का लगना चाहिए । इसके बजाए उन्होंने इतनी हल्की दफा लगाई और उस औरत के ऊपर जो अत्याचार हुआ आज तक केस भी दर्ज नही हुआ और न एस0सी0 ऐक्ट भी लगा है । सर, मैं खुद नागपुर अस्पताल में जाकर उनसे मिली हूं । अब आप बताइए कि अगर महाराष्ट्र के विदर्भ पैकेज के नाम पर यह हो सकता है तो देश के हम लोग कहां जा रहे है, यह एक सवाल है । सर, इसलिए मैं चाहती हूं कि हालांकि यह महाराष्ट्र की स्टेटा गवर्नमेंट की जिम्मेदारी है लेकिन चूंकि संवैधानिक प्रावधान है दलितों की रक्षा के लिए, मैं यह मांग करती हूं कि तुरन्त होम मिनिस्टर को हस्तक्षेप करना चाहिए, सख्त कार्रवाई करनी चाहिए । मुआवजा मिलना चाहिए और attempt to murder का केस बनाकर, इसको सख्ती से करना चाहिए, यह मैं मांग करती हूं ।

---

* Not recorded.